पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

म्यांमार संगोष्ठी में जारी किया गया उद्घोषणा पत्र
राज्यपाल ने उद्घोषणा पत्र का स्वागत किया

लखनऊः 8 अगस्त, 2017

यांगून म्यांमार में 5-6 अगस्त, 2017 को आयोजित 'द इंटरफेथ डायलाग फार पीस, हार्मनी एण्ड सिक्योरिटी' विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी 'संवाद-II' का समापन सितगू अन्तर्राष्ट्रीय बौद्धिस्ट अकादमी के प्रमुख डा0 एशिन ननिसार द्वारा किया गया। संगोष्ठी में उपस्थित सभी धर्मों के धार्मिक एवं आध्यात्मिक प्रमुखों ने एकमत होकर विश्व में शांति, सद्भाव और सुरक्षा के लिए एकजुट होकर पूर्ण सहमति और सकारात्मक इच्छा शक्ति से लिये निर्णय के आधार पर घोषणा पत्र तैयार किया है।

ज्ञातव्य है कि म्यांमार की राजधानी यांगून में विवेकानन्द इण्टरनेशनल फाउण्डेशन नई दिल्ली, सितगू इण्टरनेशनल बुद्धिस्ट अकादमी, म्यांमार इन्स्टीट्यूट आफ इण्टरनेशनल एण्ड स्ट्रैटिजिक स्टडीज तथा जापान फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी 'संवाद-II' का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक द्वारा 5 अगस्त को किया गया था। उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का रिकार्डेड संदेश भी दिखाया गया था। संगोष्ठी को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री किरेन रिजिजु तथा प्रो0 स्वामीनाथन गुरूमूर्ति ने भी सम्बोधित किया था। संगोष्ठी में 30 देशों से विभिन्न धर्मों के 130 से अधिक अनुयायियों ने प्रतिभाग कर अपने विचार रखे।

राज्यपाल ने उद्घोषणा पत्र पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि विश्व में शांति स्थापित करने के लिए सभी धर्मों को सर्वधर्म सम्भाव के आधार पर एक मंच पर आना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म एक जीवन पद्धति है जो सबको जोड़ने के साथ यह भाव उत्पन्न करता है कि पूरा विश्व एक परिवार है और सभी धर्म एक-दूसरे के पूरक हैं।

समापन समारोह के बाद जारी की गई उद्घोषणा में कहा गया है कि (1) सभी धर्मों के प्रमुख लोग विश्व में शांति एवं सद्भाव स्थापित करने के लिए धर्म की अच्छी बातों का प्रचार करके सौहार्द एवं प्रेमपूर्ण समाज के निर्माण में योगदान करेंगे। (2) धर्म के नाम पर हर तरह के झूठे दुष्प्रचार, झगड़े एवं द्वेषपूर्ण भाषण को सहयोग करने वाले लोगों के कार्य की निन्दा की जाए। (3) दूसरे धर्म, मत के लोगों के बीच विश्वास, सम्मान और पारस्परिक समझ निर्माण करने की आवश्यकता है। (4) हमें संकल्प लेना होगा कि हम किसी दूसरे धर्म के मामले में दखल अंदाजी न करें बल्कि सहयोग के आधार पर विश्व शांति के लिए कार्य करें। (5) अन्तर धार्मिक कार्यशाला का आयोजन किया जाए जिससे आपसी विश्वास और समझ से ध्यान कार्यशाला आयोजित की जाए। (6) यह संदेश दिया जाए कि सभी अध्यात्मिक मार्ग और धार्मिक परम्पराओं की मान्यता है।

उद्घोषणा में सभी सदस्यों की तरफ से जारी पत्र में यह भी कहा गया है कि (7) पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्य योजना बनाएं। (8) पर्यावरण का ससमय संवर्धन किया जाए ताकि कहीं ऐसा न हो कि धरती मानव जीवन के लिए मुश्किल बन जाए और (9) सभी देशों के नागरिक मिलकर भय रहित, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण के निर्माण में अपना सहयोग करेंगे।

उद्घोषणा पत्र में यह भी कहा गया है कि (10) भारत से आए सभी धर्मगुरू 4 दिसम्बर, 2017 से हर चार माह में एक बार बैठक करके सौहार्द्र एवं सद्भाव निर्माण के लिए विचार विमर्श करेंगे।

अंजुम/ललित/राजभवन (294/10)